दैनिक
विश्वमित्र
• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •

कल आज और कल 105 वर्ष दैनिक विश्वमित्र 1915-2020

घर में रहें
सुरक्षित रहें
जिंदगी बचाएं

वर्ष 105 ■ संख्या 106 कोलकाता शनिवार ■ 18 अप्रैल 2020 ■ वैशाख कृष्ण 11 सम्वत् 2077 मूल्य : 3 रुपए, कुल पृष्ठ 8

रिजर्व बैंक द्वारा की गयी पहल से गदगद हुआ उद्योग जगत

रियल एस्टेट ने रिजर्व बैंक की घोषणाओं का किया स्वागत

नयी दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था विशेषकर कर रियल एस्टेट क्षेत्र में आयी सुस्ती से इस उद्योग को राहत प्रदान करने के लिए आज रिजर्व बैंक द्वारा की गयी घोषणाओं को इस क्षेत्र की कंपनियों ने स्वागत किया है। हाउसिंग डॉटकॉक के ग्रुप सीईओ ध्रुव अगरवाला ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि आरबीआई द्वारा सिस्टम में लिक्विडिटी बनाए रखने के लिए घोषित किए गए विभिन्न उपाय और रिवर्स रेपो रेट को 25 आधार अंकों तक कम करने सहित ऋण के प्रवाह को बढ़ाने के उपायों से सिस्टम में मौजूद वित्तीय तनाव को कुछ हद तक कम करने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक के इस कदम से बैंकों को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में ऋण देने की उम्मीद बढ़ेगी, जो की इस समय की जरूरत है। एसोचैम के नेशनल काउंसिल ऑन अफोर्डेबल हाउसिंग के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि बाजार में तरलता का प्रवाह बहुत जरूरी है। नवीनतम घोषणा निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था में मदद करेगी। इस बार आरबीआई ने रियल्टी क्षेत्र की समस्याओं पर भी गौर किया है, जो एक स्पष्ट संकेत है कि सरकार भारत में दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता के महत्व को समझती है। सभी आर्थिक मशीनरी को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना होगा कि देश इस मुद्दे से जल्द से जल्द बाहर आए।

क्रेडाई की किफायती आवास समिति के अध्यक्ष एवं गौड़ ग्रुप के प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ ने कहा कि आरबीआई द्वारा लॉकडाउन अवधि के

दौरान दूसरी घोषणा यह संकेत है कि सरकार स्थिति को दूर करने के तरीकों का पता लगाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। रियल एस्टेट उन कदमों की मांग कर रहा था जो इस क्षेत्र की मदद कर सकते हैं और अब यह बैंकों के लिए फिर से आरबीआई की घोषणा से बाहर निकलने के लिए है जहाँ इसने रियल एस्टेट क्षेत्र के बारे में बात की है और रियल एस्टेट के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। भूमिका ग्रुप के प्रबंध निदेशक उद्धव पोद्दार ने कहा कि आरबीआई गवर्नर द्वारा की गई घोषणायें स्वागतयोग्य है। आरबीआई ने ये उपाय किए हैं क्योंकि उन्होंने महसूस किया है कि दरों को कम करने के बावजूद बैंक केवल बड़े कॉर्पोरेट्स को उधार दे रहे हैं और मध्यम तथा छोटे व्यवसायों या रियल एस्टेट को नहीं, इसलिए आरबीआई ने एनबीएफसी पर अब ध्यान दिया है। रियल एस्टेट एक पूंजी गहन व्यवसाय है और तरलता की आवश्यकता है। आरबीआई का यह कदम बैंकों और एनबीएफसी को सेक्टर को आवश्यक तरलता प्रदान करने के लिए प्रेरित करेगा।

ओमैक्स लिमिटेड के सीईओ मोहित गोयल ने कहा कि आरबीआई द्वारा हुई घोषणाएं फाइनेंसियल सेक्टर के साथ-साथ एमएसएमई , कृषि आदि अन्य रोजगार देने वाले क्षेत्रों के लिए भी काफी अच्छी हैं । एनबीएफसी में 50,000 करोड़ रुपये मिलना रियल एस्टेट सेक्टर के लिए बेहतर संकेत हैं, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में वे बैंक फाइनेंस में धन का मुख्य स्रोत रहे हैं ।

क्रेडाई की किफायती आवास समिति के अध्यक्ष एवं गौड़ ग्रुप के प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ ने कहा कि आरबीआई द्वारा लॉकडाउन अवधि के दौरान दूसरी घोषणा यह संकेत है कि सरकार स्थिति को दूर करने के तरीकों का पता लगाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। रियल एस्टेट उन कदमों की मांग कर रहा था जो इस क्षेत्र की मदद कर सकते हैं और अब यह बैंकों के लिए फिर से आरबीआई की घोषणा से बाहर निकलने के लिए है जहाँ इसने रियल एस्टेट क्षेत्र के बारे में बात की है और रियल एस्टेट के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है।